Parvatibai Chowgule College of Arts and Science
(Autonomous)
DEPARTMENT OF HINDI
COURSE STRUCTURE
THREE YEAR B.A. DEGREE COURSE IN HINDI

SEMESTER	CORE COMPULSORY		CORE ELECTIVE			
I	**HIN-I.C-1** हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन	**HIN-I. C-2** हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य	-	-	-	-
II	**HIN-II. C-3** हिन्दी नाटक : वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म	**HIN-II. C-4** हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता	-	-	-	-
III	**HIN-III. C-5** प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन	-	**HIN-III.E-1** हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)	**HIN-III .E-2** मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)	**HIN-III .E-3** हिन्दी महिला लेखन	**HIN-III .E-4** हिन्दी दलित लेखन
IV	**HIN-IV. C-6** हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक	-	**HIN-IV .E-5** आधुनिक हिन्दी कविता(इतिहास एवं काव्य संग्रह)	**HIN-IV .E-6** विशेष अध्ययन: सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	**HIN-IV.E-7** विशेष अध्ययनः हिन्दी कहानी	**HIN-VI. E-8 हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता, कहानी एवं उपन्यास)**
V	**HIN-V.C-7** मीडिया	-	**HIN-V.E-9** कथेतर गद्य	**HIN-V.E-10** विशेष अध्ययन:	**HIN-V.E-11** भारतीय	**HIN-V.E-12** हिंदी नाटक

	लेखन: रेडियो एवं टेलीविजन		साहित्य: संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी (किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)	हिन्दी उपन्यास	काव्यशास्त्र	
VI	**HIN-VI. C-8** हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण	-	**HIN-VI .E-13** हिंदी निबंध	**HIN-VI .E-14** भाषाविज्ञान	**HIN-VI .E-15** पाश्चात्य काव्यशास्त्र	**HIN-VI .E-16** साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन

SEMESTER	**OPTIONAL COURSES**
I	व्यावहारिक हिन्दी
II	भाषा कौशल

SEMESTER	**INTER DISCIPLINARY COURSES**
V	HIN-V.ID-1 हिन्दी एकांकी
VI	HIN-VI.ID-2 हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)

PARVATIBAI CHOWGULE COLLEGE OF ARTS AND SCIENCE
AUTONOMOUS

UNDERGRADUATE DEPARTMENT OF HINDI

REVISED SYLLABUS OF B.A. HINDI

F.Y.B.A (Semester-I)

Course Title: हिन्दी कहानी एवं शब्द साधन
Course Code: HIN-I.C-1
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

प्रारंभिक कहानियों से लेकर वर्तमान समय तक लिखी जाने वाली कहानियों की विद्यार्थियों को जानकारी देना। ये कहानियाँ वर्तमान एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी होने के साथ ही मूल्यनिष्ठ कहानियाँ हैं। साथ ही विद्यार्थियों को व्याकरण का ज्ञान कराना है।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद छात्रों को अब तक की कहानियों एवं कहानीकारों की जानकारी तो प्राप्त होगी ही, साथ ही छात्र हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।

Syllabus:

कहानी संग्रह: हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित कहानी संग्रह)

अध्याय एक :उसने कहा था(चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'), बड़े भाई साहब (प्रेमचंद), परदा(यशपाल), मलबे का मालिक (मोहन राकेश), गोपाल को किसने मारा (मन्नू भण्डारी), चीफ़ की दावत(भीष्म साहनी), दिल्ली में एक मौत (कमलेश्वर), अपनी वापसी(चित्रा मुदगल) **(45 Hours)**

अध्याय दो : शब्दसाधन-(शब्द के भेद, वर्तनी एवं शुद्धलेखन, शब्दयुग्म, मुहावरे, पर्यायवाची शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, कारक आदि का सामान्य परिचय) **(15 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. नामवर सिंह, *'कहानी नयी कहानी'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2016
2. मधुरेश, *'हिन्दी कहानी का इतिहास'* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2014
3. गोपालराय, *'हिन्दी कहानी का इतिहास'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2016
4. रामचंद्र तिवारी, *'हिन्दी का गद्य साहित्य'*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, 2016
5. कामताप्रसाद गुरु, *'हिन्दी व्याकरण'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, *'हिन्दी व्याकरण'*, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

Course Title: हिन्दी कविता एवं काव्य सौंदर्य
Course Code: HIN-I.C-2
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

प्रारंभिक कहानियों से लेकर वर्तमान समय तक लिखी जाने वाली कहानियों की विद्यार्थियों को जानकारी देना। ये कहानियाँ वर्तमान एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़ी होने के साथ ही मूल्यनिष्ठ कहानियाँ हैं। साथ ही विद्यार्थियों को व्याकरण का ज्ञान कराना है।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद छात्रों को अब तक की कहानियों एवं कहानीकारों की जानकारी तो प्राप्त होगी ही, साथ ही छात्र हिन्दी लेखन में भी प्रवीण होंगे।

Syllabus:

कविता संग्रह: हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित कविता संग्रह)

अध्याय एक : कबीर बानी (कबीर), सूर के पर(सूरदास), राम राज्य वर्णन(तुलसीदास), रहीम के दोहे(रहीम), जुही की कली (सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'), सवेरे उठा तो धूप खिली थी(सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'), बीस साल बाद (धूमिल), बेजगह (अनामिका) **(45 Hours)**

अध्याय दो : काव्यसौंदर्य **(15 Hours)**
शब्दालंकार(अनुप्रास, यमक, श्लेष)
अर्थालंकार(उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा)
मात्रिक छंद (दोहा, सोरठा, चोपाई)
वर्णिक छंद (इंद्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, सवैया)
समास(सभी समास)

संदर्भ ग्रंथ

1. रामस्वरूप चतुर्वेदी, *'हिन्दी कवि का इतिहास'*,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012
2. देवेन्द्रनाथ शर्मा,*'काव्य के तत्व'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2013
3. हजारीप्रसाद द्विवेदी, *'मध्यकालीन बोध का स्वरूप'*, राजकमल प्रकाशन,2003
4. रामबहोरी शुक्ल, *'हिन्दी प्रदीप'* हिन्दी भवन, इलाहाबाद, 2010
5. भगीरथ मिश्र,*'काव्यशास्त्र'*,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1999
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह,*'हिन्दीव्याकरण'*, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

Course Title: व्यावहारिक हिन्दी
Course Code:
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

आज साहित्यिक हिन्दी के साथ – साथ उसका व्यावहारिक रूप उभरकर सामने आ रहा है। उदाहरण के रूप में बैंक के क्षेत्र में, रेल विभाग में, रेडियो, दूरदर्शन तथा विभिन्न जनसंचार माध्यमों में हिन्दी के व्यावहारिक रूप से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद विद्यार्थी इस स्थिति में पहुँचेंगे कि वे पारंपारिक शिक्षा से आगे बढ़कर व्यावहारिक हिन्दी के माध्यम से नये एवं तकनीकी क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकें।

Syllabus:

अध्याय एक :व्यावहारिक हिन्दी का सामान्य परिचय, स्वरूप एवं व्याप्ति (16 Hours)

व्यावहारिक एवं साहित्यिक हिंदी: सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा (सामान्य परिचय)
देवनागरी लिपि का सामान्य परिचय

अध्याय दो :व्यावहारिक हिन्दी के विविध क्षेत्र (28 Hours)

व्यापार एवं वाणिज्य क्षेत्र में हिंदी
संचार माध्यमों में हिन्दी
सरकारी कार्यालयों में हिंदी

अध्याय तीन :अनुवाद, पत्राचार एवं हिंदी व्याकरण (16 Hours)

अनुवाद: अवधारणा, स्वरूप, प्रक्रिया, प्रकार और उपयोगिता
कार्यालयीन पत्राचार- कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, आवेदन पत्र, अनुस्मारक, शिकायती पत्र, बधाई पत्र
हिन्दी व्याकरण-मानक वर्तनी लेखन, वाक्य विन्यास, लिंग, वचन, कारक, उपसर्ग, प्रत्यय का सामान्य परिचय एवं प्रयोग।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख,*'प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम'*, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे,*'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ.माधव सोनटक्के,*'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय,*'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
5. कामताप्रसाद गुरु,*'हिन्दी व्याकरण'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2015
6. डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, 'हिन्दी व्याकरण', नमन प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009

F.Y.B.A - (Semester – II)

Course Title: हिन्दी नाटक : वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म
Course Code: HIN-II.C-3
Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objective:

शंकर शेष का नाटक 'एक और द्रोणाचार्य' के माध्यम से नाटक का परिचय कराते हुए विद्यार्थियों को आज की शिक्षा व्यवस्था की वास्तविकता का परिचय कराना। साथ ही वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म लेखन के सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी देना।

Learning Outcome:

'एक और द्रोणाचार्य' पढ़ने के बाद विद्यार्थियों को अभिनय कौशल के प्रति अभिरुचि पैदा होगी। अभिनय के माध्यम से वे समाज का रूप ज्यादा अच्छी तरह समझेंगे। साथ ही वे वृत्तचित्र लेखन एवं फीचर लेखन के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।

Syllabus:

एक और द्रोणाचार्य - शंकर शेष

अध्याय एक:'एक और द्रोणाचार्य' की पृष्ठभूमि, लेखक परिचय, नाटक का उद्देश्य, देशकाल वातावरण, पात्र, संवाद, भाषा-शैली आदि पर विचार। **(40 Hours)**

अध्याय दो: वृत्तचित्र लेखन एवं फीचर फिल्म लेखन का सैद्धांतिक पक्ष **(20 Hours)**

वृत्तचित्र लेखन की अवधारणा एवं विशेषताएँ
वृत्तचित्र लेखन का ऐतिहासिक विकास
फीचर फिल्म लेखन की अवधारणा एवं विशेषताएँ
फीचर फिल्म लेखन का संक्षिप्त विकास
वृत्तचित्र एवं फीचर फिल्म में अंतर

संदर्भ ग्रंथ

1. दशरथ ओझा, *'हिन्दी नाटक का विकास'*, राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली, 2003
2. के. वी. नारायण कुरूप,'साठोत्तर हिन्दी नाटक', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
3. सत्यदेव त्रिपाठी,'*समकालीन फिल्मों के आईने मेंसमाज'*, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली, 2013
4. सं.डॉ.शैलजा भारद्वाज, *'साहित्य और सिनेमा'*, चिंतन प्रकाशन, कानपुर, 2013
5. हरीश कुमार,'*सिनेमा और साहित्य',* संजय प्रकाशन, दिल्ली, 2010
6. मनोहर श्याम जोशी, 'पटकथा लेखन', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2002

Course Title: हास्य-व्यंग्य निबंध एवं पत्रकारिता
Course Code: HIN-II.C-4
Marks: 100
Credit: 4 (60 Lectures)

Course Objectives:

भारतेन्दु युग से लेकर अब तक के हास्य- व्यंग्य निबंधों से विद्यार्थियों का परिचय कराना, ताकि वे हास्य-व्यंग्य निबंधों की गंभीरता एवं वैचारिकता को समझ सकें। साथ ही पत्रकारिता की जानकारी से विद्यार्थी रोजगार से जुड सकेंगे।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी यह समझ जाएंगे कि गद्य की अन्य विधाओं की तुलना में हास्य-व्यंग्य किस प्रकार अलग और चुटीला है। पत्रकारिता की जानकारी से उनके लिए रोजगार के अनेक रास्ते खुलेंगे।

Syllabus:

हिंदी हास्य-व्यंग्य निबंध

निबंध संग्रह -हिन्दी विभाग-पार्वतीबाई चौगुले कॉलेज मडगांव,गोवा
(बी.ओ.एस की सहमति के अनुसार संकलित निबंध संग्रह)

अध्याय एक: विदाई संभाषण (बालमुकुंद गुप्त) नया साल (अमृतराय), अपना मकान (इंद्रनाथ मदान), पगडंडियों का जमाना (हरिशंकर परसाई), अध्यक्ष महोदय(शरदजोशी), एक दीक्षांत भाषण (रवीन्द्रनाथ त्यागी) घूस एक चिकनाई है (रवींद्र कालिया), धमाका (अभिमन्यु अनत) **(45 Hours)**

अध्याय दो: पत्रकारिता(सामान्य परिचय, भेद, उपयोगिता एवं महत्व) **(15 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.बालेन्दु शेखर तिवारी, *'हिन्दी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य'*, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर, 1978
2. डॉ. प्रेमनारायन टंडन, *'हिन्दी साहित्य में हास्य-व्यंग्य'*, हिन्दी साहित्य भंडार, लखनऊ, 1975
3. डॉ. उषा शर्मा,*'हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य'* , आत्माराम एण्ड .सन्स कश्मीरीगेट, दिल्ली, 1985
4. विनोदगोदरे,*'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, वाणीप्रकाशन, नई दिल्ली, वर्ष 2007
5. डॉ.माधव सोनटक्के, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
6. कैलाशचंद्र पाण्डेय, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007

Course Title: भाषा कौशल
Course Code:
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषा कौशल की वृद्धि कराना है। संगणक युग में भी भाषण,लेखन वाचन,लेखन कौशल बना रहें, इस दिशा में प्रयत्न कराना है। उन्हें क्रमश: इन चार कौशलों के माध्यम से उस सोपान तक ले जाना है, जहाँ वें हिन्दी भाषा का प्रयोग एवं लेखन सही ढंग से कर सकें।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद विद्यार्थी निश्चित रूप से हिन्दी भाषा पर अधिकार प्राप्त कर सकेंगे। विशेष रूप से विद्यार्थियों का भाषा कौशल पुष्ट होगा। वे भाषण की कला में और सर्जनात्मक कला में निपुण होंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : भाषा – कौशल: भाषण, श्रवण, वाचन, लेखन का सामान्य परिचय **(20 Hours)**
अध्याय दो : भाषण एवं श्रवण कौशल **(20 Hours)**
अध्याय तीन : वाचन एवं लेखन कौशल **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. नीलममान, *'हिन्दी का सही प्रयोग'* तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
2. भानुशंकर मेहता, *'बोलने की कला'*, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2013
3. ईश्वरचंद राही, *'लेखन कला का इतिहास'*, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1983
4. रामचंद्र वर्मा, *'अच्छी हिन्दी'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
5. शशिबाला, *'हिन्दी शिक्षण विधियाँ'*, डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,2006

नोट : इस प्रश्नपत्र पर विद्यार्थियों से प्रैक्टिकल कराया जाएगा।

S.Y.B.A - (Semester – III)

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी:अनुवाद एवं पत्रलेखन
Course Code: HIN-III C-5
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

आजका युग आधुनिकीकरण,निजीकरण और भूमंडलीकरण की प्रक्रिया से गुजर रहा है। ऐसी स्थिति में हिन्दी की भूमिका केवल साहित्यिक हिन्दी तक सीमित न रहकर नए ज्ञान विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्रों से गुजर रही है। इन क्षेत्रों में प्रयोजनमूलक हिन्दी की अहम भूमिका है। अनुवाद और पत्रलेखन का महत्व तथा उसकी आवश्यकता को ध्यान में रखकर इन क्षेत्रों में बढ़ते अवसरों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद विद्यार्थी इस स्थिति में पहुँचेंगे कि वे पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर प्रयोजनमूलक हिन्दी के माध्यम से अनुवाद के क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने तथा पत्र लेखन में सक्षम होंगे।

Syllabus:

अध्याय एक: प्रयोजनमूलक हिन्दी का सामान्य परिचय **(22 Hours)**
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध क्षेत्र
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास
- राजभाषा संबंधी प्रमुख प्रावधान

अध्याय दो: अनुवाद लेखन **(20 Hours)**
- अनुवाद: अवधारणा एवं स्वरूप
- कार्यालयीन अनुवाद
- व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक अनुवाद
- साहित्यिक अनुवाद
- व्यावहारिक अनुवाद का अभ्यास

अध्याय तीन : पत्रलेखन :व्यावसायिक पत्रलेखन-पूछताछ, क्रयादेश, अनुस्मारक **(18 Hours)**
कार्यालयीन पत्र लेखन-कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, अर्धसरकारी पत्र, परिपत्र, कार्यवृत्त, प्रेसविज्ञप्ति ।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. अंबादास देशमुख,'*प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम'*, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
2. विनोद गोदरे,'*प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
3. डॉ.माधव सोनटक्के,*'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2008
4. कैलाशचंद्र पाण्डेय,*'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
5. डॉ. अर्जुन चव्हाण,*'मीडिया कालीन हिन्दी:स्वरूप और संभावनाएँ'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2005
6. जितेंद्र गुप्त,*'पत्रकारिता में अनुवाद'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 2006

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

Course Code: HIN-III.E-1

Marks: 100

Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

प्रारंभ से लेकर रीतिकाल तक हिन्दी साहित्य के इतिहास की विद्यार्थियों को जानकारी देना। इससे विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि आज हिन्दी का जो स्वरूप है, उसका प्रारंभिक रूप किस प्रकार का था। वे प्राचीन हिन्दी भाषा और विशेष रूप से प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य से परिचित होंगे।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के साहित्य से परिचित होंगे। साथ ही इनसे संबन्धित प्रमुख कवियों का संक्षेप में उन्हें परिचय भी प्राप्त होगा।

Syllabus:

अध्याय एक: आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और रासो, सिद्ध, जैन, नाथ काव्य परंपरा का सामान्य परिचय एवं प्रमुख कवि परिचय। (चंदबरदाई और विद्यापति) **(20 Hours)**

अध्याय दो: भक्तिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और संत, सूफी, राम, कृष्ण काव्य धाराओं का सामान्य परिचय एवं प्रमुख कवि परिचय । (कबीर और मीराबाई) **(20 Hours)**

अध्याय तीन: रीतिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि और रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य धाराओं का सामान्य परिचय एवं प्रमुख कवि परिचय। (बिहारी और घनानन्द) **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1) डॉ. बच्चनसिंह,'*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास*', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2015
2) डॉ. विजयपाल सिंह,'*हिन्दी साहित्यका समीक्षात्मक इतिहास*', राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2011
3) डॉ. रामकुमार वर्मा,'*हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास*', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010
4) डॉ.नगेन्द्र,'*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली, 2014
5) आचार्य रामचंद्र शुक्ल,'*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2006
6) डॉ.शिवकुमार शर्मा,'*हिन्दी साहित्य:युग और प्रवृत्तियाँ*', अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली,1986

Course Title: मध्यकालीन काव्य (चयनित कविताएँ)
Course Code: HIN-III.E-2
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को मध्यकालीन परिस्थितियों से अवगत कराते हुए तत्कालीन कविताओं से परिचित कराना। साथ ही रीतिकाल की कुछ प्रमुख शृंगारिक रचनाओं के माध्यम से यह बताना कि रीतिकालीन कविताएँ किस प्रकार दरबारी संस्कृति से जुड़ गई।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी मध्यकालीन कवि तथा कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। इससे उन्हें ज्ञात होगा कि आदिकालीन कविता किस प्रकार मध्यकाल से होती हुई रीतिकाल की दरबारी संस्कृति से जुड़ गई।

Syllabus:

अध्याय एक: कबीर, रविदास और जायसी **(20 Hours)**
अध्याय दो: सूरदास, तुलसीदास और मीराबाई **(20 Hours)**
अध्याय तीन: बिहारी, देव और घनानन्द **(20 Hours)**
(प्रत्येक का 10 दोहे एवं 6 पदों की व्याख्या)

संदर्भ ग्रंथ

1) विश्वंभर 'मानव', *'प्राचीन कवि'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली, 2009
2) सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल,' *जायसी ग्रंथावली'* ना.प्र.स., वाराणसी,1995
3) विश्वनाथ त्रिपाठी, *'मीरा का काव्य,'* वाणी प्रकाशन-21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली, 2010
4) श्री. जगन्नाथदास 'रत्नाकर', *'बिहारी रत्नाकर,'* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, नयी दिल्ली,2015
5) डॉ. शिवकुमार शर्मा, *'हिन्दी साहित्य:युग और प्रवृत्तियाँ'*, अशोक प्रकाशन, नयी सड़क, दिल्ली,1986

Course Title: हिन्दी महिला लेखन

Course Code: HIN-III.E-3
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

हिन्दी में महिला लेखन अपने से पूर्व के साहित्य से किस प्रकार अलग है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना। साथ ही इस लेखन का उद्देश्य क्या है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान कराना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी हिन्दी के अधुनातन साहित्य से परिचित होंगे। विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि प्राचीन एवं परंपरागत साहित्य से महिला लेखन किस अर्थ में अलग एवं विशिष्ट है।

Syllabus:

अध्याय एक: महिला लेखन की अवधारणा, पृष्ठभूमि,स्वरूप एवं विकास **(08 Hours)**

अध्याय दो: महिलाओं द्वारा लिखित प्रमुख कहानियाँ (आठ कहानियाँ) **(32 Hours)**

तीसरा हिस्सा-मन्नू भण्डारी,महानगर की मैथिली-सुधा अरोड़ा, वापसी-उषा प्रियंवदा, आपकी छोटी लड़की-ममता कालिया,मामला आगे बढ़ेगा अभी -चित्रा मुद्गल,सुनंदा छोकरी का डायरी- सूर्यबाला, फैसला -मैत्रैयी पुष्पा,हुस्न बानों का आठवा सवाल- शरद सिंह

अध्याय तीन: महिलाओं द्वारा लिखित प्रमुख कविताएँ (आठ कविताएँ) **(20 Hours)**
स्त्रियाँ -अनामिका,चिड़ियाँ की आँख से- निलेश रघुवंशी,घर की चौखट से बाहर-सुशीला टाकभोरे,सात भाइयों के बीच चंपा-कात्यायनी,मैं किसकी औरत हूँ-सविता सिंह,रमाँ सिंह की दो कविताएँ -रमा सिंह,अहल्या-प्रभा खेतान,मुझे रो लेने दो-जयश्री राय

संदर्भ ग्रंथ

1) सरला माहेश्वरी, *'नारी प्रश्न'* , राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2007
2) क्षमा शर्मा, *'स्त्रीत्ववादी विमर्श: समाज और साहित्य'*, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2008
3) माधुरी छेड़ा, *'आधुनिक कथा साहित्य में नारी:स्वरूप और प्रतिमा'*, अरविंद प्रकाशन, बंबई,1994
4) कुमार राधा, *'स्त्री संघर्ष का* इतिहास', नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 2002
5) आशारानी व्होरा नारी शोषण : आइने और आयाम, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली, 1982

Course Title: हिंदी दलित लेखन
Course Code: HIN-III.E-4
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

हिन्दी में दलित लेखन साहित्य की मुख्य धारा से किस प्रकार अलग है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को देना। साथ ही इस लेखन का उद्देश्य क्या है, इसका भी विद्यार्थियों को ज्ञान कराना।

Course Outcome:

विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि प्राचीन एवं परंपरागत साहित्य से दलित लेखन किस अर्थ में अलग एवं विशिष्ट है और यह लेखन अपने यथार्थ को किस बेबाकी और सच्चाई के साथ स्वानुभूति को व्यक्त कर रहा है।

Syllabus:

अध्याय एक: दलित लेखन की अवधारणा एवं उसका विकास **(08 Hours)**
अध्याय दो: दलित कहानियाँ (आठ कहानियाँ) **(32 Hours)**
अध्याय तीन: दलित कविताएँ (आठ कविताएँ) **(20 Hours)**
(चयनित दलित कहानियाँ एवं कविताएँ)

संदर्भ ग्रंथ

1) तेज सिंह, '*आज का दलित साहित्य*' , अतिश प्रकाशन,हरि नगर, दिल्ली,2002
2) डॉ. श्यौराज सिंह बेचैन, *'चिंतन की परंपरा और दलित साहित्य'*, नवलेखन प्रकाशन, बिहार, 2001
3) डॉ.पुरुषोतम सत्यप्रेमी, *'दलित साहित्य सृजन के संदर्भ में'*, कामना प्रकाशन दिल्ली,1999
4) डॉ. जयप्रकाश कर्दम *'दलित साहित्य'*, अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली,2003
5) डॉ.पुरुषोतम सत्यप्रेमी, *'दलित साहित्य रचना और विचार'*, अतिश प्रकाशन, हरि नगर, दिल्ली, 2001

S.Y.B.A - (Semester – IV)

Course Title: हिन्दी पत्रकारिता: मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक
Course Code: HIN-IV.C-6
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

1) हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2) मुद्रित माध्यमों में रोजगार के अवसरों की विद्यार्थियों को जानकारी देना।
3) इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की बढ़ती व्याप्ति को समझते हुए उसमें प्राप्त रोजगार संबंधी जानकारी विद्यार्थियों को देना।

Learning Outcome:

1) इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास से अवगत होंगे।
2) पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगे।

Syllabus:

अध्याय एक :1. पत्रकारिता का सामान्य परिचय, स्वरूप एवं विकासक्रम **(20 Hours)**
2. पत्रकारिता के विविध प्रकार(खेल पत्रकारिता, मनोरंजन पत्रकारिता,खोजी पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता)
3. पत्रकारिता का महत्त्व
4. पत्रकारिता संबंधी कानून

अध्याय दो : हिन्दी मुद्रित पत्रकारिता का उद्भव और विकास **(20 Hours)**

1. स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी पत्रकारिता
2. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता
3. प्रमुख साहित्यिक पत्र-पत्रिकाएँ

(साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक पत्रिकाएँ)

अध्याय तीन :हिन्दी की इलेक्ट्रोनिक पत्रकारिता: संक्षिप्त विकासक्रम **(20 Hours)**

क) रेडियो पत्रकारिता

ख) टी. वी. पत्रकारिता

घ) इंटरनेट पत्रकारिता

संदर्भ ग्रंथ

1. कैलाशनाथ पाण्डेय, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2007
2. डॉ.अंबादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी के अधुनातन आयाम'*, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006
3. डॉ.रामप्रकाश, डॉ. दिनेशगुप्त, *'प्रयोगात्मक और प्रयोजन मूलक हिन्दी'*, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014
3. एन. सी. पंत, *'पत्रकारिता का इतिहास'* तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज,नई दिल्ली, 2002
4. सविता चड्ढा, *'हिन्दी पत्रकारिता: सिद्धान्त और स्वरूप'* तक्षशिला प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, दिल्ली,1995
5. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ. रमेश वर्मा, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी' समवेत प्रकाशन*, रामबाग ,कानपुर, 2005

Course Title: आधुनिक हिन्दी कविता (इतिहास एवं काव्य संग्रह)
Course Code: HIN-IV.E-5
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को आधुनिक हिन्दी कविता के इतिहास से परिचित कराना। उन्हें यह बताना कि अपनी किन विशिष्टताओं के कारण आधुनिक काल की कविता और उसके कवि सीधे समाज और राष्ट्र प्रेम से जुड़े।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी आधुनिक काल की कविताओं से और उनके कवियों से परिचित होंगे। उन्हें आधुनिक कालीन कविताओं की विभिन्न प्रवृत्तियों को भी जानने का अवसर मिलेगा।

Syllabus:

अध्याय एक :
भारतेन्दुयुगीन कविता, द्विवेदी युगीन कविता, छायावादी कविता, प्रगतिवादी कविता, प्रयोगवादी कविता: सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय।
(भारतेन्दु हरिश्चंद्र, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, नागार्जुन, अज्ञेय) **(20 Hours)**

अध्याय दो :
राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा, नई कविता, नवगीत, हिन्दी गजल एवं समकालीन कविता:सामान्य परिचय एवं प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय।
(माखनलाल चतुर्वेदी, मुक्तिबोध,शंभुनाथ सिंह,दुष्यंतकुमार, राजेश जोशी) **(20 Hours)**

अध्याय तीन:
द्रौपदी (नरेन्द्र शर्मा) खण्ड काव्य का अध्ययन।
(व्याख्या के लिए निर्धारित अंश) **(20 Hours)**

सदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.शिवकुमार शर्मा, '*हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृतियाँ*', अशोक प्रकाशन, नयी सड़क, दिल्ली,1970
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'* प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली,2003
3. डॉ. रमेश चंद्र शर्मा, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'* विद्या प्रकाशन, गुजैनी,कानपुर,2002
4. डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, *'हिन्दी साहित्येतिहास'* अटलांटिक प्रकाशन एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली,1989
5. राजनाथ शर्मा, *'हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास'* विनोद पुस्तक मंदिर,आग्रा,1978
6. डॉ. नगेन्द्र, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दरियागंज,दिल्ली,1973

Course Title: विशेष अध्ययन:सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

Course Code: HIN-IV.E-6
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

विद्यार्थियों को सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के समग्र जीवनवृत्त एवं साहित्य से परिचित कराना। विद्यार्थियों को यह बताना कि निराला किस प्रकार छायावादी अन्य कवियों से अलग और महत्वपूर्ण थे।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी निराला के समग्र साहित्य से परिचित होंगे। विद्यार्थियों को ज्ञात होगा कि अपनी किन विशिष्टताओं के कारण छायावादी कवियों में निराला आज सबसे अधिक प्रासंगिक हैं।

Syllabus:

अध्याय एक:निराला का जीवन वृत्त,निराला की काव्य दृष्टि, निराला का गद्य साहित्य। **(20 Hours)**

अध्याय दो: तोड़ती पत्थर, स्नेह निर्झर बह गया है, कुकुरमुत्ता, दान, जागो फिर एक बार, विधवा, वसंत आया, बादल राग, मरा हूँ हजार मरण, सरोज स्मृति
(दस कविताओं का अध्ययन) **(20 Hours)**

अध्याय तीन: 'बिल्लेसुर बकरिहा' रेखाचित्र का अध्ययन। **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. नंदकिशोर नवल, *'निराला रचनावली-1'* राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली,1983
2. नंदकिशोर नवल, *'निराला रचनावली-2'* राजकमल प्रकाशन,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली,1983
3. बच्चन सिंह, *'आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2007
4. प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित,*'निराला समग्र'*, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ,2015
5. डॉ. फणीश सिंह,*'हिन्दी साहित्य-एक परिचय'*, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2006

Course Title: विशेष अध्ययन: हिन्दी कहानी

Course Code: HIN-IV.E-7
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

1) आधुनिक हिन्दी कहानी साहित्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2) विद्यार्थियों को कहानी एवं उसके इतिहास से परिचित कराना।
3) विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रमुख कहानिकारों का परिचय कराना।

Learning Outcomes:

1) इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी हिन्दी के कहानी साहित्य से अवगत होंगे।
2) विद्यार्थी कहानी विधा से परिचित होंगे।
3) छात्र हिन्दी के प्रमुख कहानीकारों से परिचय प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : कहानी: स्वरूप एवं तत्त्व **(10 Hours)**

अध्याय दो : हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास **(20 Hours)**

1. प्रेमचंद पूर्व कहानी
2. प्रेमचंद युगीन कहानी
3. प्रेमचंदोत्तर कहानी
4. नई कहानी एवं प्रमुख आंदोलन
   (समांतर कहानी,सचेतन कहानी एवं जनवादी कहानी)

अध्याय तीन : हिन्दी कहानी संग्रह- डॉ.सूर्यबाला-प्रतिनिधि कहानियाँ **(30 Hours)**
(चयनित आठ कहानियाँ)

संदर्भ ग्रंथ

1. गोपाल राय,'*हिन्दी कहानी का इतिहास,*'राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2008
2. बच्चन सिंह,'*हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास'* ,राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली,2004
3.रामस्वरूप चतुर्वेदी,*'हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,2005
4. डॉ.सूर्यबाला की 21 श्रेष्ठ कहानियाँ, डायमंड पब्लिकेशन, दिल्ली
5. डॉ. फणीश सिंह,'*हिन्दी साहित्य: एक परिचय,* राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद,2006
6. डॉ. नगेन्द्र, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, दिल्ली,1973

Course Title: हिन्दी साहित्य का आस्वादन एवं समीक्षा (कविता, कहानी एवं उपन्यास)
Course Code: HIN-IV.E-8
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

1) चयनित हिन्दी साहित्य का संकलन एवं विश्लेषण कराना।
2) हिन्दी साहित्यिक परंपरा का अभ्यास कराना।
3) हिन्दी साहित्य पर प्रपत्र बनाने का अभ्यास कराना।
4) हिन्दी साहित्य का आस्वादन, समीक्षा और शोध कार्य हेतु प्रवृत्त कराना।

Learning Outcomes:

1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी शोधकार्य की प्रक्रिया को समझेंगे और उसमें प्रवृत्त होंगे, जिससे विद्यार्थियों को भविष्य में शोध कार्य करने में सुविधा और मदद मिलेगी।
2) इससे नए समीक्षक और शोधार्थी तैयार होंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : समीक्षा का अर्थ, स्वरूप एवं आधार **(20 Hours)**

अध्याय दो : काव्य आस्वादन और समीक्षा (निर्धारित कृति का आस्वादन एवं समीक्षा) **(20 Hours)**

अध्याय तीन : कथा आस्वादन और समीक्षा (निर्धारित कृति का आस्वादन एवं समीक्षा) **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. ओमप्रकाश त्रिपाठी, '*समीक्षा के विविध रंग*, विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2014
2. डॉ. मधु खराटे, डॉ. शिवाजी देवरे,'*अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया'* विद्या प्रकाशन, कानपुर,2013
3. अभिलाषा दिवाकर, '*शोध कैसे करें*, मार्क पब्लिशर, जयपुर,2014

T.Y.B.A - (Semester – V)

Course Title: मीडिया लेखनः रेडियो एवं टेलीविजन

Course Code: HIN-V.C-7
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को मीडिया लेखन की जानकारी देना। विशेष रूप से रेडियो एवं टेलीविज़न से संबंधित लेखन से उन्हें अवगत कराना, क्योंकि आज रेडियो एवं टेलीविज़न मीडिया का सशक्त माध्यम बन गया है।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी मीडिया लेखन से अच्छी तरह परिचित होंगे। रेडियो एवं दूरदर्शन से संबंधित लेखन में प्रवृत्त होंगे। साथ ही रोजगार की दिशा में विद्यार्थियों का मार्ग प्रशस्त होगा।

Syllabus:

अध्याय एक : रेडियो लेखन के सिद्धान्त, रेडियो लेखन के प्रकार - समाचार लेखन, रेडियो वार्ता, भेंट वार्ता, चर्चा परिचर्चा, रेडियो नाटक, रेडियो की भाषा। **(20 Hours)**

अध्याय दो : टेलीविज़न लेखन के सिद्धान्त, टेलीविज़न लेखन के प्रकार- समाचार लेखन, साक्षात्कार, धारावाहिक लेखन, टेलीविज़न की भाषा। **(20 Hours)**

अध्याय तीन : रेडियो और टेलीविज़न लेखन के व्यावहारिक रूप का अध्ययन रेडियो वार्ता लेखन,संवाद लेखन,दृश्य रूपान्तरण,भेंट वार्ता,रेडियो-समाचारलेखन, रेडियो विज्ञापन लेखन, टेलीविज़न विज्ञापन लेखन। **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. सं. डॉ. सुभाष तलेकर,'*रोजगाराभिमुख हिन्दी :दिशाएँ एवं संभावनाएँ*',नंदादीप प्रकाशन, पुणे,2010
2. डॉ॰ सुजाता वर्मा, *'पत्रकारिता और मीडिया,'* विकास प्रकाशन, कानपुर, 2016
3. रामशरन जोशी,'*मीडिया विमर्श*', सामयिक प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली, 2002
4. डॉ. अजय प्रकाश, डॉ.रमेश वर्मा, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी'*,समवेत,रामबाग, कानपुर, 2005
5. डॉ. अंबादास देशमुख, *'प्रयोजनमूलक हिन्दी:अधुनातन आयाम'*, शैलजा प्रकाशन, कानपुर, 2006

Course Title: कथेतर गद्य साहित्य: संस्मरण, यात्रा वृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी
(किसी विधा की एक पाठ्य पुस्तक)

Course Code: HIN-V.E-9
Marks: 100
Credits: 04 (60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम से हिन्दी गद्य की मुख्य विधा के अलावा विद्यार्थियों को अन्य विधाओं की जानकारी देना। इनमें मुख्य विधाएँ हैं- संस्मरण साहित्य, यात्रा साहित्य, आत्मकथा साहित्य एवं जीवनी साहित्य। इन विधाओं में आज काफी लेखन कार्य हो रहा है, इसकी उन्हें जानकारी देना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी हिन्दी गद्य की मुख्य विधा के अलावा अन्य विधाओं से परिचित होंगे। वे संस्मरण,यात्रा,आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य के उद्भव एवं विकास की जानकारी प्राप्त करेंगे। साथ ही इन विधाओं के लेखकों का साहित्य में क्या योगदान है, इसकी जानकारी प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : संस्मरण,यात्रा वृतांत,आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य: अवधारणा एवं स्वरूप **(15 Hours)**

अध्याय दो : संस्मरण, यात्रावृतांत, आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य: उद्भव एवं विकास **(15 Hours)**

अध्याय तीन : किसी विधा की एक पाठ्यपुस्तक: माटी की मूरतें-रामवृक्ष बेनीपुरी(चयनित) **(30 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ.शांति खन्ना, '*आधुनिक हिन्दी का जीवनीपरक साहित्य*', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलो रोड, दिल्ली,1973
2. डॉ.संजय नवले, *'साहित्यशास्त्र',* दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर, 2009
3. डॉ.रमेशचन्द्र शर्मा, '*हिन्दी साहित्य का इतिहास*', विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2002
4. डॉ.लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
5. डॉ.सुधाकर कलवडे, *'साहित्यशास्त्र परिचय',* पुस्तक संस्थान नेहरू नगर, कानपुर, 1985

Course Title: विशेष अध्ययन: हिन्दी उपन्यास
Course Code: HIN-V.E-10
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास का स्वरूप एवं तत्व की जानकारी देना। उन्हें हिन्दी उपन्यास के विकासक्रम की जानकारी देना। साथ ही उपन्यासकारों के उद्देश्य को उन तक पहुँचाना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी उपन्यास का स्वरूप एवं तत्व की जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही वे हिन्दी उपन्यास के विकासक्रम से परिचित होंगे। उपन्यासों का समाज से क्या संबंध है,इसकी जानकारी उन्हें प्राप्त होगी।

Syllabus:

अध्याय एक : उपन्यास: स्वरूप एवं तत्व,हिन्दी उपन्यास का उद्भव **(20 Hours)**
(प्रेमचंद पूर्व, प्रेमचंद युग)

अध्याय दो : हिन्दी उपन्यास का विकास
(प्रेमचंदोत्तर युग,साठोत्तरी युग, विमर्श केन्द्रित) **(20 Hours)**

अध्याय तीन : एक उपन्यास का अध्ययन: मोहनदास- उदयप्रकाश **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. रामलखन शुक्ल,'*हिन्दी उपन्यास कला*', सन्मार्ग प्रकाशन, बैंगलौ रोड, दिल्ली, 1972
2. डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त,*'हिन्दी साहित्य:प्रकीर्ण विचार'*, शोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली, 1967
3. डॉ. रामनारायण सिंह,*'मधुर हिन्दी के ऐतिहासिक उपन्यास'*,ग्रंथम, रामबाग, कानपुर,1971
4. डॉ. ज्ञान अस्थाना,'*हिन्दी उपन्यासों में ग्राम समस्याएँ*',जवाहर पुस्तकालय,मथुरा,1979
5. पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी, '*हिन्दी कथा साहित्य*',हिन्दी ग्रंथ-रत्नाकर कार्यालय, बंबई, 1954

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र

Course Code: HIN-V.E-11
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी देना। भारतीय आचार्यों के चिंतन का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही हिन्दी के आधुनिक आचार्यों के काव्यशास्त्रीय चिंतन की जानकारी देना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के बाद विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र से परिचित होंगे। वे भारतीय आचार्यों के काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों को समझेंगे और इसके साथ ही आधुनिक हिन्दी आचार्यों ने काव्यशास्त्र के विषय में क्या कहा है, इससे भी विद्यार्थी परिचित होंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : काव्य की परिभाषा स्वरूप एवं भेद **(20 Hours)**
- काव्य के तत्व,हेतु एवं प्रयोजन

अध्याय दो : रस सिद्धान्त- स्वरूप, अवयव और उसके भेद **(20 Hours)**
-अलंकार सिद्धान्त- सामान्य परिचय
- ध्वनि सिद्धान्त- सामान्य परिचय (शब्दशक्ति)

अध्याय तीन : रीति सिद्धान्त - सामान्य परिचय **(20 Hours)**
- वक्रोक्ति सिद्धान्त - सामान्य परिचय
- औचित्य सिद्धान्त- सामान्य परिचय
- शुक्ल एवं द्विवेदी का काव्य चिंतन

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. भगीरथ मिश्र,' काव्यशास्त्र' विश्वविद्यालय प्रकाशन ,वाराणसी, 1970
2. डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी,'*काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य',*आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
3. जयचंद्र राय,'*आचार्य रामचन्द्र शुक्लः सिद्धान्त और साहित्य',* भारती साहित्य मंदिर,दिल्ली,1963
4. डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित, *'रस सिद्धान्तःस्वरूप-विश्लेषण'*, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,1972
5. डॉ. संजय नवले, *'साहित्यशास्त्र',* दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, कानपुर, 2009
6. बलदेव उपाध्याय,'भारतीय साहित्यशास्त्र', प्रसाद परिषद, काशी, 1955

Course Title: हिंदी नाटक

Course Code: HIN-V.E-12

Marks: 100

Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी नाटक, स्वरूप एवं तत्व से परिचित कराना। उन्हें नाटक के उद्भव एवं विकास की जानकारी देना। साथ ही एक नाटक का अध्ययन कराना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी नाटक स्वरूप एवं तत्व से परिचित होंगे। उन्हें नाटक के उद्भव एवं विकास की जानकारी प्राप्त होगी। साथ ही एक नाट्य रचना का अध्ययन करके नाट्य विधा को समझेंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : नाटक: स्वरूप एवं तत्व,भारतीय नाट्य परंपरा(शास्त्रीय एवं लोक नाट्य) **(20 Hours)**

अध्याय दो : हिन्दी नाटक:उद्भव एवं विकास **(20 Hours)**

अध्याय तीन : किसी एक नाटक का अध्ययन-

आषाढ़ का एक दिन- मोहन राकेश **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. गिरीश रस्तोगी,' *हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ*' , ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
2. दशरथ ओझा,' *हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास*' ,दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
3. डॉ.पशुपतिनाथ उपाध्याय, *'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
4. डॉ. सविता चौधरी, *'साठोत्तरी हिन्दी नाटक',* विद्या प्रकाशन गुजैनी,कानपुर, 2012
5. नेमिचन्द्र जैन, *'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
6. डॉ. बच्चन सिंह, *'हिन्दी नाटक',* साहित्य भवन प्रा.लि., इलाहाबाद,1958

Course Title: हिन्दी एकांकी
Course Code: HIN-V.ID-1
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

1) विद्यार्थियों को एकांकी का परिचय कराना।
2) विद्यार्थी एकांकीकी आवश्यकता को समझ सकें।
3) इसके माध्यम से विदयार्थी एकांकीको प्रस्तुत करने का तंत्र समझेंगे।

Learning Outcomes:

1) विद्यार्थी एकांकी का गहन अध्ययन करके उससे परिचित होंगे।
2) विद्यार्थी वाचनएवं संवाद कला में निपुण होंगे।
3) विद्यार्थी एकांकी प्रस्तुतीकरण से अभिनय के क्षेत्र में प्रारम्भिक दक्षता प्राप्त करेंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : एकांकी: अवधारणा,स्वरूपएवं विकास **(15 Hours)**
एकांकी के तत्व, रंगमंचीयता एवं उसका क्रमिक विकास

अध्याय दो: किन्हीं पाँच एकांकी का अध्ययन **(25 Hours)**
(अभियोग- डॉ.रामकुमार वर्मा, भोर का तारा- जगदीश चंद्र माथुर, धीरे बहो गंगा- लक्ष्मी नारायण लाल, नींद क्यों रातभर नहीं आती- सुरेन्द्र वर्मा,
जुलूस- कणाद ऋषि भटनागर)

अध्याय तीन: एकांकी: प्राथमिक लेखन,प्रकट वाचन समूह चर्चा,पुनर्लेखन **(20 Hours)**
एकांकी:समूह में प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन

संदर्भ ग्रंथ

1. गिरीश रस्तोगी,*हिन्दी नाटक और रंगमंच की नई दिशाएँ,* ग्रंथम प्रकाशन,कानपुर,1966
2. दशरथ ओझा,*हिन्दी नाटक: उद्भव और विकास,*दिल्ली राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली,2003
3. डॉ.पशुपतिनाथ उपाध्याय,*'हिन्दी नाटक एवं रंगमंच',* जवाहर पुस्तकालय, मथुरा, 2009
4. नेमिचन्द्र जैन,*'रंगदर्शन',* राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2008
5. डॉ. रामशरण महेंद्र, *'एकांकी और एकांकीकार,* वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली,2001
6. सं.अखिलेश कुमार मिश्र,*'अंधेर-नगरी, भारत दुर्दशा',*प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
7. डॉ. सुरेन्द्र यादव,'एकांकी और एकांकी',राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,2001

T.Y.B.A - (Semester – VI)

Course Title: हिंदी भाषा, लिपि एवं व्याकरण

Course Code: HIN-VI.C-8

Marks: 100

Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की जानकारी देना। भाषा परिवर्तन के कारणों का पता लगाना। देवनागरी लिपि से परिचित कराना एवं उसकी वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालना और साथ ही विद्यार्थियों को हिन्दी व्याकरण से अवगत कराना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी भाषा की जानकारी प्राप्त करेंगे। उसमें आनेवाले परिवर्तन को समझेंगे। विद्यार्थियों को देवनागरी लिपि का ज्ञान प्राप्त होगा। इसके साथ ही हिन्दी व्याकरण से पूर्णतया परिचित होंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : भाषा-प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्यभाषा
हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास **(20 Hours)**

अध्याय दो : लिपि- देवनागरी लिपि का उद्भव एवं विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
देवनागरी लिपि का मानकीकरण **(20 Hours)**

अध्याय तीन : व्याकरण: वर्ण विचार- स्वर,व्यंजन,वर्तनी की समस्या। **(20 Hours)**
शब्दसाधन- विकारी एवं अविकारी शब्दों का सामान्य परिचय।
हिंदी की रूप रचना- उपसर्ग,प्रत्यय एवं समास के आधार पर।
संज्ञा, सर्वनाम,विशेषण,क्रिया का रूपान्तरण ।

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. ब्रज किशोर प्रसाद सिंह, *'हिन्दी व्याकरण',* नमन प्रकाशन, दरियागंज,दिल्ली, 2009
2. कामताप्रसाद गुरु, *'हिन्दी व्याकरण',* हिन्दी-मराठी प्रकाशन,नागपुर, 2011
3. डॉ. हरदेव बाहरी, *'व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद,1997
4. श्री शरण, *'हिन्दी-अशुद्धियाँ संदर्भ शोधन',* प्रेम प्रकाशन मंदिर,दिल्ली, 1997
5. डॉ. विजय लक्ष्मण वर्धे, '*अत्यावश्यक हिन्दी व्याकरण'* , फडके बुकसेलर्स, कोल्हापुर, 1993

Course Title: हिंदी निबंध

Course Code: HIN-VI.E-13

Marks: 100

Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को हिन्दी निबंध के स्वरूप एवं तत्व की जानकारी देना। उन्हें हिन्दी निबंध के क्रमिक विकास से परिचित कराना। साथ ही एक निबंध संग्रह के अध्ययन के माध्यम से निबंध विधा की जानकारी देना।

Learning Outcome

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिन्दी निबंध के स्वरूप एवं तत्व से परिचित होंगे। उन्हें हिन्दी निबंध के उद्भव एवं विकास की जानकारी प्राप्त होगी। एक निबंध संग्रह के अध्ययन के बाद निबंध विधा को अच्छी तरह से समझेंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : निबंध: स्वरूप,तत्व एवं भेद **(20 Hours)**

अध्याय दो : हिन्दी निबंध:उद्भव एवं विकास **(20 Hours)**

शुक्ल पूर्व,शुक्ल युग,शुक्लोत्तर

अध्याय तीन : किसी एक निबंध संग्रह का अध्ययन

जिंदगी मुस्कुराई- कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (कोई पाँच) **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, *'साहित्यिक निबंध',* लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 1981
2. डॉ. भोलानाथ, *'हिन्दी साहित्य'* हिन्दी परिषद, प्रकाशनप्रयाग, 1971
3. रामचन्द्र शुक्ल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास',* नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, 1961
4. बच्चन सिंह,*'आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास'*, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2005
5. डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, *'हिन्दी साहित्य का इतिहास',* मयूर पेपरबैक्स, 2014

Course Title: भाषाविज्ञान

Course Code: HIN-VI.E-14
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान की जानकारी देना। उसके अध्ययन क्षेत्र एवं दिशाओं का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही ध्वनि विज्ञान,रूप विज्ञान,वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान की जानकारी देना।

Learning Outcome

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भाषाविज्ञान की जानकारी प्राप्त करेंगे। उसके अध्ययन के विभिन्न क्षेत्र एवं दिशाओं का ज्ञान प्राप्त करेंगे। इसके आलावा ध्वनि विज्ञान,रूप विज्ञान,वाक्य विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान से भी भली भांति परिचित होंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : भाषा:परिभाषा,भाषा की विशेषताएँ एवं भाषा परिवर्तन के कारण भाषाविज्ञान: परिभाषा और अध्ययन की दिशाएँ। **(20 Hours)**

अध्याय दो : ध्वनि विज्ञान:ध्वनि का स्वरूप ,ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि परिवर्तन के कारण।
- रूप विज्ञान: स्वरूप, अर्थतत्व एवं संबंध तत्व, रूप परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। **(20 Hours)**

अध्याय तीन : वाक्य विज्ञान :वाक्य की परिभाषा,स्वरूपएवं वाक्य के भेद।
- अर्थ विज्ञान: स्वरूप, अर्थ बोध के साधन,अर्थ परिवर्तन केकारण एवं दिशाएँ। **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1.डॉ. भोलानाथ तिवारी, *'भाषाविज्ञान'*,किताबमहल इलाहाबाद,1991

2. डॉ. हनुमंतराव पाटील, *'भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा',* विद्या प्रकाशन,गुजैनी,कानपुर, 2009

3. डॉ. राजमणि शर्मा, *'आधुनिक भाषाविज्ञान'*,महाशक्ति साहित्य मंदिर,वाराणसी, 1983

4. डॉ. भोलानाथ तिवारी, *'शब्द विज्ञान',* शब्दकार,तुर्कमार गेट,दिल्ली, 1982

5. डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ.देवेंद्र प्रसाद सिंह, *'भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा',* निर्मल पब्लिकेशन,दिल्ली,2009

Course Title: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code: HIN-VI.E-15
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को प्रमुख पाश्चात्य विचार कों से परिचित कराना। विद्यार्थियों को पाश्चात्य विचार कों के सिद्धांतों और वादों की जानकारी देना और साथ ही उन्हें आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी प्रमुख पाश्चात्यविचारकों से परिचित होंगे। उनके सिद्धांतों और वादों की जानकारी प्राप्त करेंगे। विद्यार्थी आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्ति को भी समझेंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : प्रमुख पाश्चात्य विचारक-प्लेटो, अरस्तू, मैथ्यू आरनाल्ड, टी.एस. इलिएट का परिचय।
(20 Hours)

अध्याय दो : प्रमुख पाश्चात्य सिद्धान्त :अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद का परिचय।
(20 Hours)

अध्याय तीन : आधुनिक समीक्षा सिद्धान्त : संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।
(20 Hours)

संदर्भ ग्रंथ

1. सं. डॉ.नगेन्द्र, डॉ.सावित्री सिन्हा,'*पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा*', दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली,1966
2. डॉ. शिव कुमार मिश्र,'*नया हिन्दी-काव्य',* अनुसंधान प्रकाशन, आचार्यनगर,कानपुर, 1962
3. डॉ. कन्हैयालाल अवस्थी,'*काव्यशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य',* आशीष प्रकाशन, कानपुर, 2012
4. नन्ददुलारे वाजपेयी,*'नया साहित्य नए प्रश्न'* विद्यामन्दिर प्रेस, मानमंदिर, वाराणसी, 1959
5. मुद्रारक्षस,*'साहित्य समीक्षा'*, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1963

Course Title: साहित्य का अंतरानुशासनात्मक अध्ययन
Course Code: HIN-VI.E-16
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को साहित्य तथा साहित्येतर विद्या शाखाओं की जानकारी देना। उनके अंत:संबंध का ज्ञान प्राप्त कराना। साथ ही साहित्येतर विद्या शाखाओं का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव बताना।

Learning Outcome:

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य तथा साहित्येतर विद्या शाखाओं की जानकारी प्राप्त करेंगे। उनके अंत:संबंध से परिचित होंगे। साथ ही साहित्येतर विदया शाखाओं का प्रभाव हिन्दी साहित्य पर किस प्रकार पड़ा, इससे परिचित होंगे।

Syllabus:

अध्याय एक : साहित्य एवं अन्य विद्या सहाखाओं का संबंध
साहित्य एवं इतिहास, साहित या एवं दर्शन,साहित्य एवं मनोविज्ञान **(20 Hours)**

अध्याय दो : साहित्यका समाजशास्त्रीय अध्ययन-लिंग, वर्ण, वर्ग एवं संप्रदाय **(20 Hours)**

अध्याय तीन : व्यावहारिक अध्ययन के लिए निर्धारित कृति
ग्लोबल गाँव का देवता- रणेन्द्र **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. डॉ. राधाकृष्णन,'*भारतीय दर्शन-भाग एक'*,राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली, 2012
2. डॉ. राधाकृष्णन,*'भारतीय दर्शन भाग दो'*,राजपाल एण्ड सन्स,दिल्ली, 2013
3. श्रीनलिन विलोचन शर्मा,*'साहित्य का इतिहास-दर्शन'*, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद,पटना. 1959
4. डॉ. सुरिंदरकौर गौड़,*'सौंदर्यशास्त्र'* अभय प्रकाशन,कानपुर, 2015
5. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, *'हिन्दी साहित्य कोश, भाग-1'*, ज्ञान मंडल, लिमिटेड, वाराणसी, 2007

Course Title: हिन्दी पथनाट्य (नुक्कड़ नाटक)
Course Code: HIN-VI. ID-2
Marks: 100
Credits: 04(60 Lectures)

Course Objective:

1) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पथनाट्यलेखन हेतु प्रवृत्त करना।
2) पथनाट्यके माध्यम से विद्यार्थियों के अभिनय कौशल को विकसित करना।
3) विदयार्थी पथनाट्य को प्रस्तुत करने का तंत्र समझेंगे।

Learning Outcomes:

1) विद्यार्थी पथनाट्य लेखन में दक्षता प्राप्त करेंगे।
2) पथनाट्य प्रस्तुतीकरण कला में निपुण होंगे।
3) पथनाट्य के प्रस्तुतीकरण से छात्रों में अभिनय कौशल विकसित होगा।
4) विद्यार्थियों में अभिनय के साथ-साथ अन्य कौशलों का भी विकास होगा।

Syllabus:

अध्याय एक : पथनाट्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विकास **(15 Hours)**
पथनाट्य के तत्व, प्रस्तुतीकरण एवं सरोकार

अध्याय दो : किन्हीं पाँच पथनाट्य(नुक्कड़ नाटक) का अध्ययन **(25 Hours)**
(अंधेर नगरी-भारतेन्दु हरिश्चंद्र,सवाशेर गेहूँ-राजेश कुमार,जनता पागल हो गई है-शिवराम, सबसे सस्ता गोश्त-असगर वजाहत,देखो,वोट,बटोरे अन्धा-असगर वजाहत)

अध्याय तीन : पथनाट्य : प्राथमिक लेखन, प्रकट वाचन, समूह चर्चा, पुनर्लेखन
पथनाट्य: समूह में प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन **(20 Hours)**

संदर्भ ग्रंथ

1. कुसुम त्रिपाठी, *'नुक्कड़ नाटक कैसे खेले'*, आह्वान नाट्य मंच प्रकाशन,बम्बई 1995
2. निदेशालय,*प्रौढ़ शिक्षा,नुक्कड़ भाग- 1,2*जामनगर हाऊस, हटमेंटस,नई दिल्ली 1995
3. सं. अखिलेश कुमार मिश्र, *'अंधेर-नगरी, भारत दुर्दशा'*,प्रयाग प्रकाशन,इलाहाबाद,1985
4. जयदेव तनेजा, *'हिंदी रंगकर्म :दशा और दिशा'*, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली,1988
5. चन्द्रेश, *'नुक्कड़ नाटक'*, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली,1983
6. असगर वजाहत, *'सबसे सस्ता गोश्त'*,राजपाल एंड सन्स,कश्मीरी गेट,दिल्ली,2015